BUREAU OF INDIAN STANDARDS

Press Note No: PRD/Press Note/4/2017-18 2 May 2017

BIS conducts seminar on "Innovative & latest trend in pulp & paper Products "

Bureau of Indian Standards (BIS) organized a national seminar in association with the Central Pulp and Paper Research Institute on "Innovative & latest trend in pulp & paper products & its technology" recently. The main objectives of the Seminar were to disseminate the latest trends & technologies related to test methods and application of nanotechnology in pulp & paper. The seminar was also aimed to facilitate sharing of best practices amongst Indian pulp & paper industries.

Mrs. Rita Tandon, Director CPPRI and Chairman of Paper & its Products Sectional Committee, CHD 15 of BIS, delivered the keynote address and emphasized the prominence of scientific developments in pulp & paper sector including environmentally sustainable practices in the field. She further informed that Belgium, Sweden and Germany harmonize forestation, pulp & paper making and printing processes in paper manufacturing.

Dr. R. K Bajaj, Deputy Director General (Training), Bureau of Indian Standards illuminated that the seminar would help to update participants about latest developments in the field of pulp & paper on important subjects like Nano technology, paper properties and test methods etc. He also admired the role of Sectional Committee CHD 15 of Bureau of Indian Standards for their efforts and contributions towards standardization in the field of pulp & paper.

In the technical session, Dr. Dharm Dutt, IIT Roorkee emphasized about the change in paper properties with time, Dr. M. Patel gave presentation on nanotechnology applications in pulp & paper sector using nano particles & fibres, Dr. Sanjay Tyagi, CPPRI highlighted the relevance and identification of parameters for deciding choice and acceptability for writing &printing papers by users with their need and satisfaction and Dr. B. P. Thapliyal enlighten the participants on the importance of test parameter standardization. The queries raised by the participants were duly answered by respective speakers.

(Alka)
Deputy Director(PR)

भारतीय मानक ब्यूरो

PRD/Press Note/4/2017-18 **02.05.2017**

बीआईएस ने आयोजित की ''पल्प एवम् पेपर प्रोडक्ट्रस और इसकी तकनीक में अभिनव और नवीनतम् प्रवृति"पर संगोष्ठी

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) "पल्प एवम् पेपर प्रोडक्ट्रस और इसकी तकनीक में अभिनव और नवीनतम् प्रवृति"पर केंद्रीय लुगदी और कागज अनुसंधान संस्थान के सहयोग से संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य पल्प और पेपर में परीक्षण विधियों से संबंधित नवीनतम रुझानों, लुगदी और कागज में नैनो प्रौद्योगिकियों के संभावित प्रयोगों एवम् भारतीय लुगदी और पेपर उद्योगों के बीच सर्वोत्तम प्रयासों का साझा, जैसे विषयों का प्रसार करना था।

श्रीमती रीता टंडन, निदेशक सीपीपीआरआई और अध्यक्ष, पेपर और इसके उत्पाद विषय समिति सीएचडी 15 ने मुख्य व्याख्यान दिया और इस क्षेत्र में पर्यावरण की दृष्टि से स्थायी प्रथाओं सहित लुगदी और कागज के क्षेत्र में वैज्ञानिक विकास की प्रमुखता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि बेल्जियम, स्वीडेन और जर्मनी संयुक्त रूप से पेपर विनिर्माण क्षेत्र में वनीकरन, लुगदी और कागज बनाने तथा मुद्रण प्रक्रियाओं में परस्पर सहयोग कर संमन्वय स्थापित किया हैं । उन्होंने भारतीय लुगदी और कागज उद्योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने, राष्ट्रीय मानकों और भारतीय उद्योगों के विकास में सीपीपीआरआई की भूमिका के बारे में भी प्रकाश डाला।

भारतीय मानक ब्यूरो के उप महानिदेशक (प्रशिक्षण), डॉ.आर.के.बजाज ने स्पष्ट किया कि यह संगोष्ठी नैनो प्रौद्योगिकी, पेपर प्रॉपर्टीज और टेस्ट विधियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों के बारे में प्रतिभागियों को अपडेट करने में सहायक

डॉ. धर्म दत्त, आईआईटी रूड़की ने समय के साथ पेपर के गुणधर्म में बदलाव के कारणों के बारे में विचार व्यक्त किये। डॉ. एम. पटेल ने नैनो कणों और तंतुओं का पल्प और पेपर क्षेत्र में उपयोग और नैनो प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों पर प्रस्तुतिकरण दिया, डॉ संजय त्यागी, सीपीपीआरआई ने उपयोगकर्ताओं के लिए लिखित एवं छपाई के कागज़ात कीउपयोगिता एवम् स्वीकार्यता तय करने के लिए मापदंडों की प्रासंगिकता और पहचान पर प्रकाश डालातथा डॉ. बीपी थापलियाल ने परीक्षण पैरामीटर मानकीकरण के महत्व पर प्रतिभागियों को आलोकित किया। प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का स्पीकरों द्वारा उचित समाधान दिया गया।

L.K.MEHTA
Dr R K BAJAJ
RITA TANDON